RAF SECTOR
NEWS CLIP
20/12/19

TO SERVE HUMANITY WITH SENSITIVE POLICING

Hindustan Meerut (U.P)

आरएएफ-108 में क्राउड कंट्रोल पर इंटरनेशनल कोर्स का दूसरा दिन, हिंसा से जुड़े कई अंतरराष्ट्रीय केस दिखाए

म्यांमार के अफसरों ने जोहान्सबर्ग से सीलमपुर तक की देखी हिंसा

मेरठ | वरिष्ठ संवाददाता

म्यांमार से भीड़ नियंत्रण सीखने मेरठ आए सात वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने छह अंतरराष्ट्रीय केस स्टडी देखी। स्टडी रिपोर्ट में माना गया कि दो अप्रैल 2018 को देशभर में हुए एससी-एसटी आंदोलन में पुलिस की भारी चूक रही कि वह भीड़ का मूड नहीं भांप पाई। कई ऐसे भी केस दिखाए, जिसमें पुलिस ने हजारों की भीड़ को तकनीक से कंट्रोल किया।

रैपिड एक्शन फोर्स की मेरठ स्थित 108 बटालियन परिसर में स्थापित आरएएफ एकेडमी फॉर पब्लिक आर्डर इंस्टीट्यूट (रेपो) में 'क्राउड कंट्रोल मैनेजमेंट' पर शुरू हुए इंटरनेशनल कोर्स में म्यांमार देश के सात वरिष्ठ पुलिस अधिकारी आए हुए हैं। बुधवार को आरएएफ की असिस्टेंट कमांडेंट सोनिया ने कई अंतरराष्ट्रीय केस प्रस्तुत किए। साउथ अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में एक सितंबर 2019 को विदेशी नागरिकों के खिलाफ हिंसा हुई थी। चीन के उरुमकी शहर में साल-2009 में हुई हिंसा को भी प्रोजेक्टर पर दिखाया गया। दुष्कर्म के मामले में दोषी करार दिए गए रामरहीम और रामपाल के जेल जाने के दौरान हुई हिंसा को भी म्यांमार के अफसरों ने देखा। दिल्ली के सीलमपुर में एक दिन पहले नागरिकता बिल को लेकर हिंसा और दो अप्रैल-2018 को मेरठ सहित देशभर में एससी-एसटी को लेकर हुई हिंसा भी इस इंटरनेशनल कोर्स का हिस्सा बनी।

इनमें कई केस ऐसे रहे, जहां सुरक्षा एजेंसियों की लापरवाही सामने आई। मसलन, वे ये आकलन नहीं कर सके कि भीड़ कितनी जुट सकती थी और किस हद तक जा सकती थी। मेरठ के एससी-एसटी आंदोलन को भी इसका हिस्सा माना गया। जिन आंदोलनों में समय रहते पुलिस ने कंट्रोल किया, उनमें खूबियां बताई गईं।

असिस्टेंट कमांडेंट गौरव कुमार ने यूएन कोड ऑफ कंडक्ट की जानकारी दी। मेरठ पुलिस के एसपी अविनाश पांडेय ने मीडिया मैनेजमेंट और पुलिस-पब्लिक व्यवहार पर चर्चा की। आरएएफ के सहायक कमांडेंट कौशल चौधरी ने हिंसा से जुड़ी कई ऐसी वीडियो दिखाई, जिनमें आरएएफ की भूमिका प्रमुख रही है। सुभारती विवि के लॉ विभाग प्रमुख वैभव गोयल ने कानूनी पहलुओं पर चर्चा की।

Amar ujala Meerut (U.P)

प्रशिक्षण

रैपो मेरठ में प्रशिक्षण के लिए आए हैं म्यांमार के पुलिस अधिकारियों को आरएएफ के अधिकारियों ने पढ़ाया केस

नेशनल केस स्टडी बना मेरठ में 2 अप्रैल को हुआ बवाल

मनु चौधरी

मेरठ। दो अप्रैल 2018 को मेरठ में हुआ बवाल नेशनल केस स्टडी बन गया। बुधवार को रैपिड एक्शन फोर्स एकेडमी ऑफ पब्लिक ऑर्डर (रैपो) मेरठ में म्यांमार के पुलिस अधिकारियों को अलग अलग देशों की सात घटनाओं को पढ़ाया गया। बवाल के वीडियो प्राजेक्टर पर दिखाए गए। इनमें मेरठ का बवाल, जम्मू कश्मीर की हिंसा, दक्षिण अफ्रीका, पुर्तगाल की वीडियो अहम रही। रैपो देशभर का एक मात्र प्रशिक्षण केंद्र है, जहां दंगा नियंत्रण प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया जाता है।

एकेडमी में 17 से 24 दिसंबर तक म्यांमार के सात पुलिस अधिकारियों का विशेष प्रशिक्षण चल रहा है। बुधवार को मेरठ में तैनात आईपीएस अविनाश पांडेय, आरएएफ के असिस्टेंट कमांडेंट गौरव कुमार, कौशल चौधरी और सोनिया ने विदेशी मेहमानों को अलग अलग विषयों पर प्रशिक्षण दिया। अंतरराष्ट्रीय केस स्टडी में बताया गया कि भीड़ जब भी जुटती है तो उसके इरादों को भांपना जरूरी है। कई बार स्थानीय पुलिस भीड़ की मंशा नहीं समझ पाती। ऐसे में जब भीड़ हिंसक हो जाती है तो दंगा नियंत्रण प्रबंधन लागू किया जाता है। किसी भी हालात में भीड़ पर पहले गोली नहीं चलाई जाती, उसे तितर बितर करना पड़ता है। इसमें अलग अलग प्रकार के प्रशिक्षण की जरूरत होती है। अलग अलग लेक्चर में भीड़ मनोविज्ञान, पुलिस-पब्लिक व्यवहार, सांप्रदायिक प्रभाव, दंगा विरोधी ड्रिल के बारे में भी प्रशिक्षण दिया गया।

2 अप्रैल की घटना के दौरान मोर्चा संभाले आरएएफ के जवान। (फाइल फोटो)

यह थी दो अप्रैल 2018 की घटना

दो अप्रैल 2018 के दिन सुबह नौ बजे का वक्त था। एससी/एसटी एक्ट में संशोधन को लेकर एक जाति के लोगों को जिला मजिस्ट्रेट को ज्ञापन देना था। सोशल मीडिया पर भारत बंद का मेसेज वायरल हो रहा था। इसी दौरान एनएच-58 स्थित कंकरखेड़ा पुलिस स्टेशन की शोभापुर पुलिस चौकी पर लाठी डंडों से लैस करीब 800 लोग पहुंचते हैं। पुलिस के एक्शन लेने से पहले भीड़ दरोगा व सिपाहियों को चौकी में बंद कर आग लगा देती है। किसी तरह पुलिसकर्मियों ने जान बचाई। सूचना पर डीएम और एसएसपी मौके पर पहुंचे। उन्होंने आरएएफ को बुलाया। उससे पहले हाईवे पर बसों में आग लगा दी गई। इसके बाद आरएएफ की एक कंपनी ने शोभापुर और हाईवे पर मोर्चा संभाला। आरएएफ ने हाईवे पर दंगा नियंत्रण वाहन, वाटर कैनन और बख्तर बाहनों का प्रयोग किया। इस बीच भीड़ ने कचहरी स्थित चौक पर आगजनी कर दी। एक युवक भीड़ द्वारा चलाई गई गोली से मारा गया। इसके बाद पूरे शहर को आरएएफ के हवाले कर दिया गया।

Hindustan Meerut (U.P)

आरएएफ 108 बटालियन में बुधवार को स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया। ● हिन्दुस्तान

आरएएफ में मना स्वच्छता पखवाड़ा

मेरठ। आरएएफ-108 बटालियन परिसर में स्वच्छता पखवाड़ा मनाया। 1 से 15 दिसंबर तक चले पखवाड़े के तहत हर रोज विभिन्न कार्यक्रम हुए। इस दौरान वरिष्ठ अधिकारियों ने कार्मिकों को स्वच्छता के बारे में जागरूक किया। बटालियन के जवानों ने जगह-जगह बैनर व पोस्टर लगाकर आसपास के लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया। कार्यक्रम समापन पर कमांडेंट शैलेंद्र कुमार ने सभी का धन्यवाद दिया।

The Hindu (Delhi)

A protest against CAA in Jamalpur area of Aligarh on Tuesday.

▪ MANOJ ALIGADI

Dainik bhaskar (Delhi)

नागरिकता कानून के विरोध में हो रहे प्रदर्शनों को देखते हुए गृह मंत्रालय ने पुलिस को सतर्क रहने की हिदायत दी है। एक गाइडलाइन जारी कर पुलिस से कहा है कि ड्रोन से लोगों पर नजर रखी जाए। खुफिया एजेन्सियों को भी अलर्ट किया गया है। इसके इलावा पुलिस से यह भी कहा गया है जहां पर भी इस तरह के प्रदर्शन हो वहां पर वीडियोग्राफी भी करायी जाए। सीलमपुर में बुधवार को सुरक्षा बलों ने फ्लैग मार्च किया। अभिभावकों ने सुरक्षा का एहसास होने पर बच्चों को स्कूल भी भेजा।

NavBharat Times (Delhi)

नागरिकता कानून को कोर्ट परखेगा, पर नहीं लगाई रोक

कहा, अफवाहें रोकने को जागरूकता फैलाए सरकार

पीटीआई, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने नागरिकता संशोधन कानून (CAA) की संवैधानिक वैधता को परखने का बुधवार को फैसला लिया, लेकिन इस कानून के अमल पर रोक से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कानून के बारे में फैल रही अफवाहों पर लगाम के लिए सरकार को सुझाव दिया कि वह लोगों को ऑडियो-विडियो माध्यम से जागरूक करने पर विचार करे। केंद्र की ओर से पेश अटॉर्नी जनरल के.के. वेणुगोपाल ने कहा कि सरकार जरूरी कदम उठाएगी।

संशोधित कानून में पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से भारत में बसे गैर-मुस्लिम शरणार्थियों को नागरिकता देने का प्रावधान है। इसे संविधान की मूलभावना के खिलाफ, धर्म के आधार पर भेदभाव करने वाला और मुस्लिम विरोधी बताकर सुप्रीम कोर्ट में 59 याचिकाएं दायर की गई हैं। चीफ जस्टिस एस.ए. बोबडे की अगुआई वाली तीन जजों की बेंच ने इन याचिकाओं पर केंद्र को नोटिस जारी किया है। सुनवाई के दौरान कुछ याचिकाकर्ताओं ने नए कानून के अमल पर रोक लगाने का अनुरोध किया। अटॉर्नी जनरल ने विरोध में कहा कि 4 ऐसे फैसले हैं, जिनमें व्यवस्था है कि कानून नोटिफाई होने के बाद उस पर रोक नहीं लग सकती है। इस पर कोर्ट ने कहा कि रोक नहीं लगा रहे हैं। 22 जनवरी को अगली सुनवाई पर ऐक्ट पर रोक की दलीलें दी जा सकती हैं। देखें अंदर

PTI

सीलमपुर इलाके में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और पैरामिलिट्री ने बुधवार को फ्लैग मार्च किया। धारा-144 लगी है। पेज 3, 4

NRC में अल्पसंख्यकों के लिए विशेष व्यवस्था होगी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर (NRC) पर अल्पसंख्यकों का डर दूर करने की बुधवार को कोशिश की। उन्होंने ट्वीट किया कि अल्पसंख्यकों के लिए सरकार विशेष व्यवस्था करेगी, क्योंकि विपक्ष ने उनमें भय फैलाया है। सूत्र बताते हैं, शाह का मंत्रालय मुस्लिम समेत भविष्य के सभी अल्पसंख्यक शरणार्थियों को नागरिकता देने की योजना पर काम कर रहा है। (विस)

एक पैरंट और भारत का नागरिक होने के नाते मैं देश के शिक्षण संस्थानों में फैली अशांति से दुखी हूं। जल्द शांति की आशा है। महान अध्यापक अपने छात्रों से सीखते हैं। -ऋतिक रोशन, ऐक्टर

NavBharat Times (Delhi)

सीलमपुर और जाफराबाद में चहल-पहल देख हिंसा का अंदाजा लगाना मुश्किल था

बाजार खुले और रौनक लौटी... लेकिन अब भी डर का माहौल

144 धारा अब नॉर्थ ईस्ट जिले में लागू की, 4 से ज्यादा लोग एक साथ नहीं हो सकते जमा

23 लोग जख्मी हुए थे इस हिंसा में, उनके अलावा तीन आरपीएफ के जवान और 15 पुलिसकर्मी जख्मी हुए थे

Photos : Surender Kumar, Tarun Rawat, PTI

हिंसा के बाद बुधवार सुबह जब बच्चे स्कूल जाने के लिए निकले तो उनकी सुरक्षा के लिए पुलिस बल भी तैनात था

Rajesh.Saroha@timesgroup.com

■ जाफराबाद: सीलमपुर और जाफराबाद इलाके में मंगलवार को हुए उग्र प्रदर्शन के बाद बुधवार को पूरे इलाके में स्थिति सामान्य रही। सीलमपुर मार्केट के साथ-साथ जाफराबाद मेन रोड नंबर-66 की मार्केट भी खुली रही। मार्केट में लोगों की आवाजाही भी सामान्य थी। सड़कों पर ट्रैफिक भी नॉर्मल दिखा।

इलाके का जायजा लेने के बाद कहीं किसी तरह की टेंशन नहीं दिखी। लोग अपने-अपने काम में जुटे थे। मंगलवार को सबसे ज्यादा हिंसा सीलमपुर टी-पॉइंट से लेकर जाफराबाद मेट्रो स्टेशन तक हुई थी। बुधवार को यहां की चहल-पहल देखकर अंदाजा लगाना मुश्किल था कि एक दिन पहले यह इलाका छावनी में तब्दील हो गया था। सीलमपुर टी पॉइंट और उससे आगे मार्केट की तरफ लेफ्ट टर्न करते ही कॉर्नर पर पंक्चर आदि की दुकानें हैं। बुधवार को सभी दुकानें खुली थीं। सड़क से ईंट-पत्थर, कांच के टुकड़े भी हटा दिए गए थे। यहां से आगे मदर डेरी के अलावा दाईं-बाईं ओर सभी दुकानें खुली थीं। यही रोड आगे ब्रह्मपुरी होते हुए मौजपुर और नूर-ए-इलाही तक और फिर यमुना विहार, भजनपुरा जाकर निकलती है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि मंगलवार को इलाके में होने वाले विरोध प्रदर्शन को लेकर सभी दुकानें बंद थीं।

> मार्केट में लोगों की आवाजाही भी सामान्य थी। सड़कों पर ट्रैफिक भी नॉर्मल दिखा

लोगों को बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि शांतिपूर्ण तरीके से होने वाला विरोध-प्रदर्शन एकाएक उग्र प्रदर्शन में बदल जाएगा। इसके लिए भीड़ में मौजूद असामाजिक तत्वों को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। लोगों का कहना है कि जैसे ही कुछ लोगों ने पुलिस पर पत्थर फेंके, पुलिस हरकत में आ गई। पुलिस के रुख को देखकर भीड़ उग्र हो गई। इसके बाद हालात काबू में लाने के लिए हर मस्जिद और मदरसे से शांति की अपील की गई। स्थानीय लोग दुआ कर रहे हैं कि शांति आगे भी कायम रहे। एहतियातन जगह-जगह भारी पुलिस फोर्स तैनात की गई है। कई जगहों पर दंगा नियंत्रण वाहन को भी तैनात किया गया है।

अब लोग कर रहे शांति की दुआ

■ अनूप पाण्डेय, जाफराबाद/सीलमपुर

जाफराबाद में मंगलवार को हुए हिंसक प्रदर्शन के बाद बुधवार को पूरे इलाके में मायूसी का माहौल था। सीलमपुर और जाफराबाद के इलाकों में चारों तरफ पुलिस और रैपिड एक्शन फोर्स की तैनाती थी। लोग डरे-सहमे अपने घरों से निकल रहे थे। छोटे बच्चों को बाहर निकलने पर रोक रहे थे। सब एक ही दुआ कर रहे थे कि जैसा कल हुआ वैसा फिर देखना कभी न हो।

इलाके में जिम्मेदार लोगों ने मुनादी कर लोगों से शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। जाफराबाद के रहने वाले डॉ. फहीम बेग ने मंगलवार को हिंसक प्रदर्शन को शांत कराने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने लोगों से अपील की है कि अपने नौजवानों पर नजर रखें। क्योंकि चारों तरफ पुलिस की मौजूदगी है। अपने बच्चों को किसी भी प्रदर्शन में जाने से रोकें। घर से बाहर अपने बच्चों को न जाने दें। माहौल खराब है, सामान लेने जाना हो तो खुद जाएं। वहीं जाफराबाद के रहनेवाले सलीम मलिक ने बताया कि लोगों से अपील की जा रही है कि वह अफवाहों पर ध्यान न दें। क्योंकि इससे माहौल खराब हो सकता है।

पुलिस ने फ्लैग मार्च निकालकर शांति बनाए रखने की अपील की

3 केस, 23 उपद्रवियों की पहचान, 9 अरेस्ट

Shanker.Singh@timesgroup.com

■ सीलमपुर: यमुनापार के सबसे संवेदनशील इलाकों में शामिल सीलमपुर के माहौल को पटरी पर लाने के लिए पुलिस ने कमर कस ली है। ईस्टर्न रेंज के जॉइंट कमिश्नर ने मंगलवार रात और बुधवार सुबह खुद फ्लैग मार्च की अगुवाई कर असामाजिक तत्वों और हुड़दंगियों की नकेल कसने के संकेत दिए।

पुलिस और रैपिड एक्शन फोर्स के लाव-लश्कर के साथ निकले पुलिस अफसरों ने इलाके के लोगों को भी अपने साथ लेकर अमन बनाए रखने की अपील की। इस दौरान पुलिस ने 23 उपद्रवियों की पहचान कर ली है। इनमें कई इलाके के घोषित बदमाश भी हैं। अभी तक 9 आरोपियों की गिरफ्तारी हो गई है। इनसे रिमांड में लेकर पूछताछ कर उपद्रव भड़काने की जांच की जा रही है। पुलिस के रेडार में इलाके के दो नेता भी बताए जा रहे हैं। जॉइंट कमिश्नर (ईस्टर्न रेंज) आलोक कुमार ने बताया कि मंगलवार को सीलमपुर और मुस्तफाबाद में हुए बलवे के मामले में पुलिस ने दंगा करने, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और ड्यूटी के दौरान पुलिसकर्मियों पर हमला करने समेत कई धाराओं में सीलमपुर, जाफराबाद और दयालपुर थाने में तीन अलग-अलग एफआईआर दर्ज की गई है। कई टीवी चैनलों की विडियो, सीसीटीवी कैमरों और मोबाइल से की गई विडियोग्राफी के फुटेज इकट्ठे किए गए हैं।

फिलहाल इलाके में भारी तादाद में पुलिस फोर्स तैनात है। पुलिस के आला अधिकारियों ने अमन कमिटी और क्षेत्र के प्रतिष्ठित लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। मंगलवार रात को भी दिल्ली पुलिस के जॉइंट सीपी आलोक कुमार, डीसीपी वेद प्रकाश सूर्या और अडिशनल डीसीपी आरपी मीणा की अगुवाई में सीलमपुर और जाफराबाद में फ्लैग मार्च किया गया।

पुलिस के पांच ड्रोन कर रहे निगरानी

जॉइंट सीपी आलोक कुमार ने बताया कि सीलमपुर और जाफराबाद में पांच ड्रोन से नजर रखी जा रही है। ड्रोन से छतों पर पत्थर इकट्ठा करने की जानकारी भी ली जा रही थी। बलवे के दौरान 23 लोग जख्मी हुए थे। तीन आरपीएफ के जवान और 15 पुलिसकर्मी जख्मी हुए थे। पुलिस का दावा है कि उन्होंने मामले को भड़कने से पहले ही संभाल लिया।

नहीं चल रहा था इंटरनेट, नुक्कड़-नाटकों से हो रही है अब शांति की अपील

■ एनबीटी न्यूज, मुस्तफाबाद: मुस्तफाबाद के ब्रजपुरी में मंगलवार को हुई हिंसा के बाद बुधवार को पूरे इलाके में भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती कर दी गई। जगह-जगह पुलिस और रैपिड एक्शन फोर्स तैनात रही। दोपहर एक बजे कुछ युवकों ने मुस्तफाबाद में इकट्ठा होकर प्रदर्शन करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस बल और इलाके के जिम्मेदार लोगों ने उन्हें शांत करा दिया।

इससे पहले मंगलवार को पूरे इलाके में इंटरनेट सेवाएं ठप कर दी गई थीं। स्थानीय निवासी अमजद अंसारी के मुताबिक, इंटरनेट सेवा ठप होने से लोगों को काफी परेशानी हुई। कॉल भी नहीं लग रही थी। बुधवार सुबह 7 बजे मुस्तफाबाद में इंटरनेट सेवाएं शुरू हुईं। नेहरू विहार के काउंसलर ताहिर हुसैन ने बताया कि माइक लगा कर गलियों में लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। सुहैल सैफी ने बताया कि शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए बुधवार की सुबह भी नुक्कड़ सभाएं की गईं।

बाहर आंसू गैस के गोले, घर में बेहोश हो रहे थे बच्चे

नॉर्थ ईस्ट दिल्ली के कई इलाकों में पुलिस ने फ्लैग मार्च निकाला

■ अनूप पाण्डेय, जाफराबाद

मंगलवार को जाफराबाद में हुए हिंसक प्रदर्शन के दौरान पुलिस को चौतरफा चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा था। सामने खड़े हजारों प्रदर्शनकारियों से पुलिस मोर्चा ले रही थी। इसी बीच कभी पुलिस के ऊपर मकानों की ओर से पत्थर आ रहे थे तो कभी छतों से। कुछ लोग अपनी छतों की दीवारों को तोड़कर पुलिस पर ईंट फेंक रहे थे।

गलियों में खड़े प्रदर्शनकारियों से सामना करने के लिए पुलिस को गलियों में भी आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़ रहे थे। आंसू गैस के गोले दागे जाने पर प्रदर्शनकारी तो भाग जा रहे थे, लेकिन आंसू गैस का धुआं घरों में मौजूद बच्चों के लिए किसी आफत से कम नहीं था। जाफराबाद के रहने वाले मास्टर खालिद अनवर ने बताया कि पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच चल रहे संघर्ष के दौरान लोग अपने घरों में चार घंटे तक कैद रहे। घरों में मौजूद महिलाओं और बच्चों का आंसू गैस के धुएं से दम घुट रहा था। खिड़कियों और दरवाजों को बंद करने के बाद भी घरों में मौजूद लोगों का दम घुट रहा था। कई बच्चे तो बेहोश भी हो गए।

स्थानीय निवासी याकूब अनवर ने बताया कि कुछ शरारती लोगों की वजह से हजारों लोगों का इसका खमियाजा भुगतना पड़ा। अब भी लोग काफी डरे हुए हैं। मंगलवार को जो कुछ भी हुआ, वह आंखों के सामने से ओझल नहीं हो रहा है।

'मेरा भांजा बेगुनाह है'

पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए आरोपियों के एक परिजन मुस्तफा ने कहा कि उनका भांजा बेगुनाह है। जो लोग पत्थरबाज थे, वे माहौल खराब करके भाग गए और कुछ लोगों को पुलिस ने पकड़ लिया। उन्होंने बताया कि परिजनों की तलाश में देर रात तक वह जाफराबाद थाने और डीसीपी ऑफिस के चक्कर काटते रहे, लेकिन किसी ने उनको कुछ नहीं बताया। [illegible]

Photos of Deployment/ Fam-Ex Of RAF

सी0आर0पी0एफ0 सदा अजेय, भारत माता की जय।